**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 105**

**सोमवार, 24 नवम्‍बर, 2014 3 अग्रहायण 1936 (शक)**

**नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण**

105. **श्री धीरज प्रसाद साहू:**

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के लिए ठेकेदारों द्वारा आवेदन नहीं किए जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इन क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण हेतु सीधे सीमा सड़क संगठन द्वारा कार्य कराने का

विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री पोन्. राधाकृष्‍णन)**

**(क)** जी, हॉं। ठेकेदार छत्‍तीसगढ़ और झारखंड के कतिपय गंभीर रूप से नक्‍सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के लिए आवेदन नहीं कर रहे हैं।

**(ख)** उपर्युक्‍त के संबंध में मुख्‍य कारण हैं: सुरक्षा संबंधी मुद्दे, सीमित कार्य समय और कतिपय नक्‍सल प्रभावित क्षेत्रों में सामग्री और श्रमिकों की अनुपलब्‍धता।

**(ग)** जी, नहीं।

**(घ)** प्रश्‍न नहीं उठता।

**(ड.)** सीमा सड़क संगठन मुख्‍य रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलों और सड़कों के निर्माण और अनुरक्षण कार्यों में लगा हुआ है और उस पर सुपुर्द कार्यों को पूरा करने कर भारी दबाव है।

\*\*\*\*